एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में पांचवां दीक्षांत आयोजित, मेधावी हुए सम्मानित

धोती-कुर्ता और साड़ी में दीक्षांत

गोरखपुर | कार्यालय संवाददाता

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज के उपाधि धारकों को रविवार को पांचवां दीक्षांत (समावर्तन संस्कार) में धोती-कुर्ता और साड़ी में देकर संकल्प दिलाया गया। छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ उपदेश को आत्मसात किया। इस वर्ष की तरह 2011 में भी धोती-कुर्ता और साड़ी में समावर्तन समारोह का आयोजन किया गया था।

समारोह के मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष आशीष गौतम ने कहा कि भारत की स्थिति चिंताजनक नहीं बल्कि भयावह होती जा रही है। भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों से आदर्श, आक्रमक और अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक युवा ही निपट सकता है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्रबंधक योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं ने आज सत्य बोलने और सत्य सुनने की क्षमताओं का ह्रास किया है। शिक्षण संस्थाओं से योग्य और संस्थापित युवा पीढ़ी निकलनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. यूपी सिंह ने कहा कि आज भारत में युवाओं में भारतीय संस्कृति व

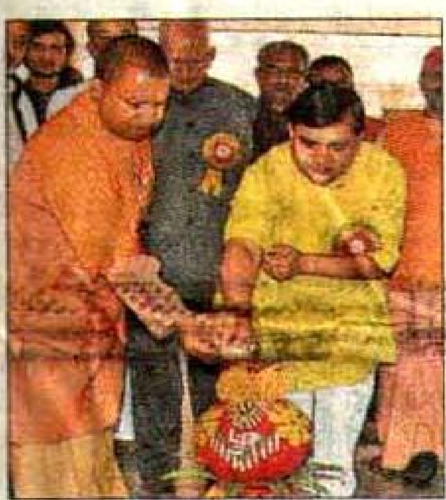

दीक्षांत समारोह का उद्घाटन योगी आदित्यनाथ और आशीष गौतम ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया • हिन्दुस्तान

आत्मबोध पैदा करने की आवश्यकता है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने कहा कि गोरक्षपीठ ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखकर शैक्षिक क्रांति की जो मशाल जलाई उसे निरन्तर प्रज्ज्वलित रहने का ही प्रमाण है समावर्तन समारोह। समारोह में मुख्य रूप से राम जी, विनय कुमार सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, अरूणेश शाही, अभयपाल, वाईपी कोहली, मनोज चन्द्र, टीएन मिश्र, ओमजी उपाध्याय, और सत्य प्रकाश सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्नातक बोले

यह भेषभूषा बहुत अच्छी लग रही है। एक आदर्श विद्यार्थी बनने के सारे अवसर यहां मौजूद हैं। यहां की शिक्षा और संस्कार आगे बढ़ने के प्रेरक हैं।
सीमा चौधरी, छात्रा

इस तरह का संस्कार अपनी संस्कृति से जोड़ता है। यहां जो शिक्षा दी गई है वह अमूल्य है। साड़ी में समावर्तन उपदेश लेना मेरे लिए स्मरणीय रहेगा। **रीमा, छात्रा**

जैसे यहां दीक्षांत मिला, उसका अनुभव मेरे लिए अतुलनीय है। मैं इसे अजीवन नहीं भूल पाऊंगी, जो उपदेश दिया गया है, उसे आजीवन निभाऊंगी।
बालिका साहनी, छात्रा

भारतीय परिधान में दीक्षा लेकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यहां संस्कार के साथ शिक्षा मिलती है। हम चाहते हैं कि यह कॉलेज एक दिन विवि बने।
विश्वजीत शर्मा, छात्र

मेधावी हुए पुरस्कृत

यूनिवर्सिटी प्री परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि आशीष गौतम ने प्रमाणपत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया। प्रमाण पत्र पाने वालों में ज्योति सिंह, अमित पाण्डेय, वशिष्ट मुनि चौरसिया, वन्दना पाण्डेय, मीरा, सुधीर कुमार चौरसिया, अशोक कुमार, सिकन्दर पटेल, अवनीश पाण्डेय, रोहित त्रिपाठी, सतीश गौड़, मनीष कुमार त्रिपाठह, सत्यवान चौरसिया, प्रमोद कुमार गुप्ता, राधेश्याम गुप्ता, अमन कुमार वर्मा और विपिन कुमार सिंह शामिल हैं।

राष्ट्रीय सहारा

गोरखपुर • मंगलवार • 15 मई • 2012

एमपी महाविद्यालय में भी आनलाइन प्रवेश फार्म जमा होंगे

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय की तर्ज पर महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ ने भी स्नातक व परास्नातक प्रथम वर्ष की प्रवेश परीक्षाओं के लिए आनलाइन फार्म भरे जाने की व्यवस्था की है। प्रवेश फार्म आफलाइन भी भरे जा सकेंगे। सत्र 2012-13 के लिए आनलाइन फार्म कालेज की वेबसाइट पर 20 मई से भरे जा सकेंगे। प्राचार्य डा. प्रदीप राव की अध्यक्षता में कालेज की प्रवेश समिति ने पहली बार शुरू की जा रही इस प्रवेश प्रक्रिया को हरी झंडी दे दी। समिति के संयोजक डा. लोकेश प्रजापति के अनुसार बीए, बीएससी, बीकाम, एमए (प्राचीन इतिहास) व एमएससी (केमेस्ट्री) के प्रवेश फार्म 20 मई कालेज की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू .एमपीएम. ईडीयू. इन पर आनलाइन भरे जाएंगे। प्रवेश फार्म भरने के के बाद उसकी प्रति 150₹ शुल्क के साथ महाविद्यालय कार्यालय में जमा करना होगा। कालेज कार्यालय से एक जून से दो सौ ₹ शुल्क के साथ आवेदनपत्र प्राप्त कर भी भरा जा सकता है। डा. प्रजापति ने बताया कि विवि से संबद्ध महाराणा प्रताप महाविद्यालय एक मात्र कालेज है जिसने आन लाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। बैठक में डा. शुभ्रांशु शेखर सिंह, डा. महेन्द्र प्रताप सिंह, डा. सुनील मिश्रा, डा. राजेश शुक्ल, डा. राम सहाय व डा. संतोष मौजूद थे।

नई पहल

ऑन लाइन प्रवेश फार्म की सुविधा देने वाला विश्वविद्यालय के अतिरिक्त एक मात्र कालेज

i next

Gorakhpur, 15 May 2012

ऑनलाइन में नंबर वन बना एमपीपीजी

- ऑनलाइन एडमिशन फॉर्म भरवाने वाला पहला पीजी कॉलेज
- 20 मई से ऑनलाइन और 1 जून से मिलेंगे ऑफलाइन फॉर्म

i next reporter

GORAKHPUR (14 May): डीडीयू के बाद अब महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में भी अब एडमिशन के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरे जाएंगे. डीडीयू से एफिलिएटेड यह पहला कॉलेज है, जिसने अपने यहां यह अरेंजमेंट किया है. हालांकि इसके साथ ही ऑफ लाइन फॉर्म भी अवलेबल रहेंगे. एडमिशन फॉर्म सेशन 2012-13 में बीए, बीएससी, बीकाम, एमए, एशिएंट हिस्ट्री और एमएससी केमेस्ट्री में एडमिशन के लिए मिलेगा. आनलाइन फार्म 20 मई से कॉलेज की वेबसाइट www.mpm.edu.in पर अवलेबल होंगे. प्रवेश समिति के संयोजक डॉ. लोकेश प्रजापति ने बताया कि एप्लीकेंट को कॉलेज की वेबसाइट पर ऑनलाइन फॉर्म भर कर उसकी हॉर्ड कॉपी 150 रुपए फीस के साथ कॉलेज में जमा करनी होगी. जबकि ऑफलाइन फॉर्म कॉलेज ऑफिस से 1 जून से 200 रुपए में मिलेगा. प्रिंसिपल डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि एडमिशन फॉर्म की डेट्स और प्रोसेस पर डिसिजन कॉलेज में हुई प्रवेश समिति में लिया गया.

सीट्स डिटेल

बीए	800
बीएससी	540
बीकॉम	240
एमए एशिएंट हिस्ट्री	120
एमएससी केमेस्ट्री	30

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • मंगलवार • 15 मई 2012 •

एमपी पीजी में ऑनलाइन फार्म 20 मई से

गोरखपुर। एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए प्राचीन इतिहास और एमएससी रसायनशास्त्र में प्रवेश के लिए 20 मई से कॉलेज की वेबसाइट www.mpm.edu.in <http://www.mpm. edu.in> पर ऑनलाइन फार्म भरे जाएंगे। यह निर्णय सोमवार को महाविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक में हुआ।

प्राचार्य डॉ.प्रदीप राव के अनुसार ऑनलाइन फार्म भरने के बाद उसकी प्रति 150 रुपए फीस के साथ कॉलेज कार्यालय में जमा करानी होगी। फार्म ऑफलाइन भी भरे जा सकते हैं। ऑफलाइन फार्म एक जून से कॉलेज कार्यालय में उपलब्ध होंगे। ऑफलाइन फार्म के साथ दो सौ रुपए फीस जमा करानी होगी। ऑनलाइन और ऑफलाइन फार्म की फीस में 50 रुपए के अन्तर पर प्राचार्य डा.प्रदीप राव ने कहा कि ऑनलाइन फार्म भरने में छात्रों कोइण्टरनेट इस्तेमाल पर भी कुछ खर्च करना पड़ता है। बैठक में डॉ.लोकेश प्रजापति, डा.सुभ्रांशु शेखर सिंह, डॉ.महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ.सुनील मिश्र, डा.राजेश शुक्ल आदि रहे।

अमर उजाला | गोरखपुर | रविवार | 17 जून 2012

यहां तो बिना यूनिफार्म के पढ़ाई नहीं

●)अमर उजाला ब्यूरो

मिशन एडमिशन
महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़

गोरखपुर। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों में इन दिनों प्रवेश को लेकर होड़ मची है। कालेजों में जाने से पहले वहां उपलब्ध संसाधन, सीट आदि के बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी है। कभी-कभी सुविधाओं के अभाव में छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

वैसे तो बहुत कालेज हैं लेकिन शहर के महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में एक अलग ही पहचान है। यहां पढ़ने वाले हर छात्र-छात्राओं के लिए यूनिफार्म निर्धारित किया गया है। 29 जून 2004 को गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ ने कालेज की नींव रखी। ठीक एक साल बाद 29 जून 2005 को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी ने कालेज का उद्घाटन किया था। विज्ञान के साथ ही बीकाम की पढ़ाई के लिए इसकी गिनती सर्वोत्कृष्ट कालेजों में होती है। वर्तमान में कालेज के प्राचार्य

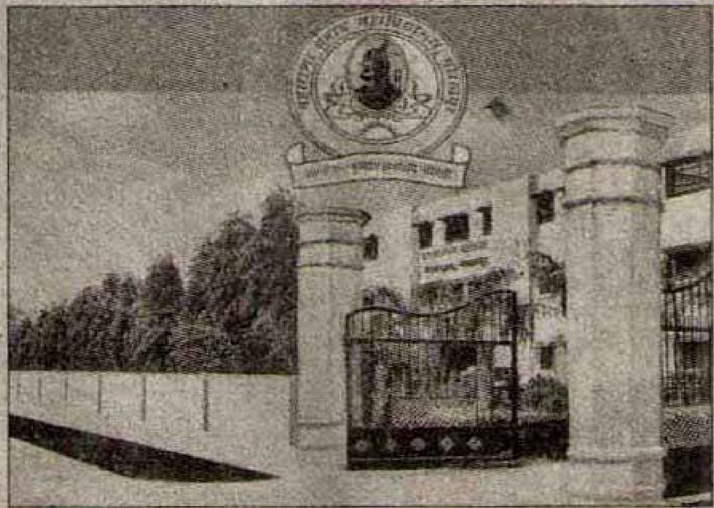

डा. प्रदीप राव के देखरेख में शैक्षिक सत्रों का संचालन किया जा रहा है। कालेज में हर दिन पढ़ाई शुरू करने से पूर्व प्रार्थना कराया जाता है। प्रार्थना सभा में छात्र-छात्राओं के साथ ही शिक्षकों, कर्मचारियों की भी उपस्थिति अनिवार्य है। प्रार्थना, सरस्वती वंदना, राष्ट्रगान एवं वंदेमातरम के बाद ही कक्षाओं का संचालन किया जाता है। इस कालेज में गोरखपुर विश्वविद्यालय परीक्षा के पहले आंतरिक परीक्षा भी करवाए जाने की व्यवस्था है। हर संकाय में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को प्रवेश समिति का सदस्य नामित कर दिया जाता है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

स्नातक स्तर पर

कला संकाय : हिंदी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, भूगोल, मनोविज्ञान, रक्षाध्ययन, प्राचीन इतिहास, इतिहास, अंग्रेजी, गणित, अर्थशास्त्र

विज्ञान संकाय : गणित, भौतिकी, रसायन, रक्षाध्ययन, इलेक्ट्रानिक्स, सांख्यिकी, भूगोल, मनोविज्ञान, कंप्यूटर साइंस, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान,

वाणिज्य संकाय : वित्तीय लेखांकन व्यावसायिक सांख्यिकी, प्रबंध के सिद्धांत, व्यावसायिक संचार, व्यावसायिक अर्थशास्त्र, मुद्रा एवं वित्तीय प्रणाली ।

स्नातकोत्तर स्तर पर

कला संकाय : प्राचीन इतिहास

विज्ञान संकाय : रसायनशास्त्र

स्नातक

कोर्स	सीटों की संख्या
बीएससी	480
बीकाम	240
बीए	580

स्नातकोत्तर

प्राचीन इतिहास	120
रसायनशास्त्र	30

फार्म जमा करने की अंतिम तिथि : 14 जुलाई

सूची का प्रकाशन : 15 जुलाई

इसके बाद 15 दिन में एडमिशन प्रक्रिया पूरी कर ली जाएंगी।

प्रवेश प्रक्रिया

"प्राचार्य डा. प्रदीप राव ने बताया कि कालेज में प्रवेश मेरिट और इंटरव्यू के आधार पर दिया जाता है। इंटरव्यू में छंटने के बाद प्रवेश नहीं दिया जाता है। वर्तमान समय में कालेज कार्यालय से प्रवेश फार्म का वितरण किया जा रहा है। आनलाइन आवेदन की भी व्यवस्था है।

डा. प्रदीप राव, प्राचार्य

महाविद्यालय ने शिक्षकों के अकादमिक विकास हेतु हर वह प्रयत्न करता है जो किया जा सकता है, जिसकी

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • गुरुवार • 30 अगस्त 2012

कुछ अलग

अंग्रेजी सीखने के लिए महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज के शिक्षकों का अनूठा प्रयास

यहां पढ़ाई के बाद लगती है पढ़ाने वालों की क्लास

गोरखपुर | अजय कुमार सिंह

एक कालेज जहां से ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट निकलते हैं। जहां कला, विज्ञान और वाणिज्य में ज्ञान की अलग-अलग धाराएं बहती हैं। वहां के शिक्षक आजकल सुबह से दोपहर तक विद्यार्थियों को पढ़ाने के बाद खुद विद्यार्थी बन जाते हैं। कॉलेज में छुट्टी के बाद फिर से क्लास लगती है और शिक्षक पूरे अनुशासन से पढ़ने बैठते हैं। पढ़ाने वाले रोहिताश्व श्रीवास्तव दस साल पहले महात्मा गांधी इण्टर कालेज से अवकाश प्राप्त कर चुके हैं।

वक्त के साथ कदमताल करने की बेचैनी और योग्य विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए एक अवकाश प्राप्त शिक्षक की ललक का यह अद्भुत तालमेल है। महाराणा प्रताप पोस्ट ग्रेजुएट कालेज के शिक्षकों को पढ़ाने के लिए रोहिताश्व श्रीवास्तव कोई फीस नहीं लेते। वह भी तब जब कालेज प्रबन्धन और शिक्षक आधा-आधा योगदान कर उन्हें हर महीने 15 हजार रुपए तक फीस देने को तैयार थे। छह जुलाई को कॉलेज की योजना समिति की बैठक में तय किया गया कि नए दौर में कामयाबी का बुनियादी अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ के लिए कॉलेज में माहौल बनाया जाए।

अवकाशप्राप्त शिक्षक से अंग्रेजी सीखने के लिए एमपी कॉलेज के शिक्षक बने विद्यार्थी

शिक्षकों की पाठशाला

- कालेज की छुट्टी के बाद अवकाश प्राप्त शिक्षक से पढ़ते हैं अंग्रेजी
- शिक्षकों को पढ़ाने की फीस नहीं लेते हैं रोहिताश्व श्रीवास्तव

सीखने-सिखाने की प्रक्रिया चलती रहनी चाहिए। शिक्षकों में पढ़ने की ललक देख कर बहुत अच्छा लगता है।
रोहिताश्व श्रीवास्तव, अवकाशप्राप्त शिक्षक

विद्यार्थियों के साथ-साथ कॉलेज के ज्यादातर शिक्षक भी हिन्दी माध्यम की पृष्ठभूमि से हैं इसलिए शुरुआत उन्हीं से हो। कहा गया कि अच्छा ज्ञान पाना है तो शिक्षक यह मानकर चलें कि उन्हें इस भाषा के बारे में कुछ नहीं पता और पढ़ाई की शुरुआत बिल्कुल शुरू से करनी होगी। इसके बाद कॉलेज एक योग्य शिक्षक की तलाश में जुट गया।

• अंग्रेजी सीखने के लिए याद आए अपने शिक्षक : पेज 4

A role model election in MPPG

i next
Gorakhpur, 30 August 2012

- MPPG college में रिटेन एग्जाम से तय होता है कैंडिडेट
- नामांकन के साथ ही हो गया इलेक्शन का आगाज

yed Saim Rauf

GORAKHPUR (29 Aug): डीडीयू यनिवर्सिटी से एफिलिएटेड कॉलेज महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वेंस्डे को स्टूडेंट यूनियन इलेक्शन का आगाज हो गया. नामांकन के साथ ही इलेक्शन की अन्य प्रक्रिया शुरू [illegible]ाई. बता दें कि डीडीयू से एफिलिएटेड यह [illegible]लौता कॉलेज है जहां कॉलेज ने कैंडिडेचर के लिए अनोखा क्राइटेरिया तय किया है. देश के विश्वविद्यालयों में लिंगदोह कमेटी की रिकमेंडेशंस के मुताबिक चुनाव होंगे, लेकिन एमपीपीजी कॉलेज ने उससे भी कहीं आगे का ऐसा रोल मॉडल पेश कर दिया है, जिससे बाकी भी सबक ले सकते हैं. इस कॉलेज के जिस स्टूडेंट में टैलेंट होता है वही स्टूडेंट लीडर की कुर्सी पर बैठता है. नेतृत्व की क्षमता परखने के साथ ही कैंडिडेट में नॉलेज का लेवल हाई होना भी यहां उतना ही जरूरी है. कॉलेज में चुनाव 31 को होने हैं. वेंस्डे को वहां कैंडिडेचर के लिए रिटेन टेस्ट कंडक्ट कराए गए, जिसमें गर्ल्स और ब्वॉयज दोनों ने पार्टिसिपेट किया.

कई step में होते हैं election

कॉलेज में इलेक्शन की बात करें तो यहां के इलेक्शन को क्वालिफाई करने के लिए स्टूडेंट्स को कई स्टेप से गुजरना पड़ता है. इसमें सबसे पहले स्टूडेंट्स की कक्षा प्रतिनिधि की परीक्षा पास [illegible]ी होती है, जिसके बाद ही वह अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्री के लिए नामांकन कर सकता है. इस एग्जाम को क्वालिफाई करने के बाद स्टूडेंट्स अगले दौर में पहुंचता है, जहां उसे क्वालिफाइंग स्पीच एग्जाम से गुजरना पड़ता है. स्पीच को देने के लिए उसे 10 मिनट का समय दिया जाता है. इन सभी प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद स्टूडेंट्स यूनियन इलेक्शन होते हैं.

64 प्रतिनिधि चुने जाते हैं

इस कॉलेज में सब्जेक्ट्स और सेक्शन के अकार्डिंग प्रतिनिधियों का चुनाव होता है. यानी ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल पर जितने क्लासेज और सेक्शन होंगे उतने ही प्रतिनिधि चुने जाएंगे. इस हिसाब से कॉलेज में कुल मिलाकर 64 क्लासेज और उनके सेक्शन हैं, इसलिए इससे इतने ही प्रतिनिधि चुने जाएंगे. इन सभी सफल कैंडिडेट्स में जिन कैंडिडेट्स को इंटरेस्ट होगा, वह आगे की प्रक्रिया के लिए नामांकन करेंगे.

for more alerts
www.inextlive.com/gorakhpur/local

Last year से मिला मौका

एमपीपीजी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि यह दूसरा मौका है जब कॉलेज के स्टूडेंट्स अपने प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे. इससे पहले कॉलेज में अलग रूल्स थे. 2006 से ही कॉलेज में स्टूडेंट्स यूनियन इलेक्शन कॉलेज के अकॉर्डिंग हो रहे हैं. इसमें सबसे पहले कॉम्पटीशन के माध्यम से इलेक्शन होते थे. कॉलेज में जिसको सबसे ज्यादा मार्क्स आता था वह ही छात्रसंघ का अध्यक्ष चुना जाता था. लेकिन बाद में हुई आम सभा की बैठक में इसे थोड़ा मॉडिफाई किया गया और हर क्लासेज से प्रतिनिधि चुने जाने लगे. यही प्रतिनिधि छात्रसंघ के चुनाव में वोट डालने के अधिकारी थे. लेकिन 2010 में हुई आम सभा की बैठक में इसे और मॉडिफाई कर दिया गया और इसमें स्टूडेंट्स को भी वोट डालने का मौका दिया गया. इसमें सिर्फ नामांकन करने वालों के लिए कुछ शर्तें रख दी गईं.

आम सभा की बैठक में फैसला

चुनाव प्रक्रिया समेत कई ऐसे फैसले हैं जो आम सभा करती है. आम सभा कॉलेज द्वारा बनाई गई कोई कमेटी नहीं है, बल्कि इसकी कार्यकारिणी में स्टूडेंट्स यूनियन के तीनों पदाधिकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्री समेत कॉलेज के प्रिंसिपल, प्रॉक्टर और डीएसडब्लू मेंबर होते हैं. यह सभी फैसले इन सभी की प्रेजेंस में होता है. यह बैठक सभी की मौजूदगी में होती है.

मिलती है टीचर्स जैसी सुविधा

ऐसा नहीं है कि इनती सख्ती से छात्रसंघ चुनाव होने की वजह से यहां के स्टूडेंट्स कतराते हैं. बल्कि इसके लिए दावेदारी और भी बढ़ जाती है वह इसलिए कि छात्रसंघ पदाधिकारियों को कॉलेज की लाइब्रेरी में टीचर्स के बराबर सुविधा दी जाती है. इसके तहत वह जब भी चाहे लाइब्रेरी से टीचर्स की तरह एंट्री करके बुक्स ले जा सकते हैं और किसी को पढ़ने के लिए दे सकते हैं. इसके लिए उन्हें सिर्फ कॉलेज की रिकार्ड बुक में एंट्री करनी होगी.

हैं कई फायदे

स्टूडेंट्स यूनियन इलेक्शन जीतने का सबसे बड़ा फायदा स्टूडेंट्स को यह मिलता है कि उन्हें कॉलेज की कमेटियों में भी भागीदारी दी जाती है. यही नहीं वह हर कमेटी के फैसले में अपना सुझाव भी देते हैं और उनके सुझावों को माना भी जाता है. इनमें क्रीड़ा समिति, पुस्तकालय, सूचना और परामर्श समिति, प्रार्थना और स्वच्छता समिति, बागवानी समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, प्रयोगशाला समिति छात्र नियंता मंडल, प्रवेश परामर्श समिति और छात्रसंघ समिति शामिल हैं.

PICS: I NEXT

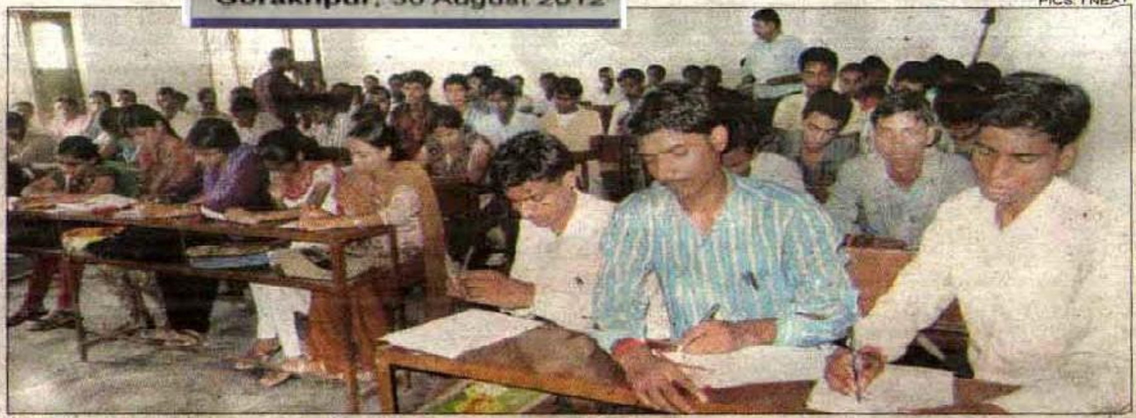

वेंस्डे को छात्रसंघ प्रतिनिधि चयन परीक्षा में स्टूडेंट्स ने बढ़चढ़ कर पार्टीसिपेट किया.

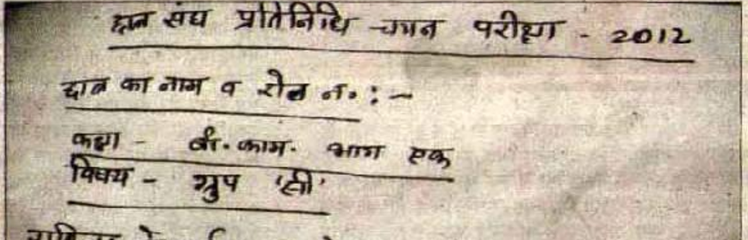

छात्र संघ प्रतिनिधि चयन परीक्षा - 2012
छात्र का नाम व रोल नं.:-
कक्षा - बी.काम. भाग एक
विषय - ग्रुप 'सी'
राबिन्स ने अर्थशास्त्र को माना है

इस क्वेश्चन पेपर में पास हुए तभी चुनाव लड़ने का मिलेगा मौका.

17 ने file किया nomination

GORAKHPUR (29 Aug): महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में वेंस्डे मार्निंग कक्षा प्रतिनिधियों के चुनाव एग्जाम के माध्यम से सम्पन्न हुए. इसमें सभी क्लासेज और सेक्शंस से 57 स्टूडेंट्स ने सफलता हासिल की. इन सफल स्टूडेंट्स में 17 कैंडिडेट्स ने छात्रसंघ पदाधिकारियों के लिए नामांकन किया. इसमें अध्यक्ष के लिए 5, उपाध्यक्ष के लिए 6 और महामंत्री के लिए 6 कैंडिडेंट्स ने पर्चे भरे.

इन्होंने किया nomination

अध्यक्ष पद के लिए एमएससी पार्ट वन की आराधना दीक्षित, बीए पार्ट थ्री के सुजीत कुमार सिंह, एमए पार्ट वन की निशा निषाद, बीकॉम पार्ट थ्री के जयहिंद यादव और बीएससी पार्ट टू के आदित्य कुमार ने पर्चा दाखिल किया. उपाध्यक्ष में देवाशीष शुक्ला, संजय विश्वकर्मा, अनिल कुमार, श्रीभावती, मनु कुमार और राहुल कुमार ने पर्चे भरे. वहीं महामंत्री के लिए पूजा गुप्ता, अमिताभ, हरिद्वार प्रजापति, सिद्धार्थ कुमार, ओमकार सिंह और शंकर निषाद ने नामांकन किया. यह जानकारी चुनाव अधिकारी शिव कुमार बर्नवाल ने दी. उन्होंने बताया कि सभी सेलेक्ट हुए कैंडिडेंट्स सुबह 9 बजे से 11 बजे तक अपना नाम वापस ले सकते हैं, इसके बाद दोपहर 11 से 11.30 तक पर्चों की जांच होगी और एक बजे से क्वालिफाइंग स्पीच होगी. चुनाव 31 अगस्त को सुबह 9 बजे से होंगे.

i next
Gorakhpur, 28 September 2012

Parents-teachers meeting in MPPG

एमपीपीजी कॉलेज पेश कर रहा एक मिसाल

i next reporter

GORAKHPUR (27 Sept): बच्चे कॉलेज जा रहे है या नहीं, वह क्लासेज अटेंड कर रहे हैं या नहीं इसकी टेंशन हर पेरेंट को होती है. वह चाहते है कि कोई हो जो उन्हें उनके बच्चों के बारे में इंफॉरमेशन दे सके. लेकिन सिटी में ही एक ऐसा कॉलेज है जहां के पेरेंट्स को ऐसी कोई भी टेंशन नहीं है. हम बात कर रहे हैं महाराणा प्रताप पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज जंगल धूसड़ की. यहां के पेरेंट्स को इसलिए ऐसी कोई टेंशन नहीं होती क्योंकि यह कॉलेज पेरेंट्स-टीचर मीटिंग के माध्यम से लोगों को उनके बच्चों के बारे में जानने का मौका देता है.

साल में दो बार होती है मीटिंग

एमपीपीजी कॉलेज के पीआरओ प्रकाश प्रियदर्शी ने बताया कि कॉलेज की स्थापना के एक साल बाद से ही पेरेंट्स-टीचर्स मीटिंग

ऑर्गेनाइज की जा रही है. यह मीटिंग साल में दो बार 2 अक्टूबर और 26 जनवरी को की जाती है. इसमें पेरेंट्स को उसके बच्चे की पूरी रिपोर्ट दिखाई जाती है. इसके अलावा कॉलेज द्वारा बनाए जाने वाले मंथली रिकार्ड और परफॉर्मेंस रिपोर्ट भी पेश की जाती है.

2006 से हुई शुरुआत

कॉलेज में इसकी शुरुआत कॉलेज स्थापना के नेक्स्ट ईयर से ही हो गई थी. तब से हर साल यह मीटिंग ऑर्गेनाइज की जा रही है. हर साल इसमें पेरेंट्स बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं और अपने बच्चे के परफॉर्मेंस से रूबरू होते हैं. इसके साथ ही वह अपनी और बच्चों की कॉलेज रिलेटेड प्रॉब्लम शेयर करते हैं और उसका समाधान पाते हैं. इस दौरान कॉलेज उनसे सुझाव भी लेता है.

प्रिंसिपल और डीन के पास रहता है रिकॉर्ड

एमपीपीजी कॉलेज में शुरूआत से ही हर स्टूडेंट्स की मंथली परफॉर्मेंस रिपोर्ट बनाई जाती है. यह रिपार्ट हर मंथ होने वाले टेस्ट के आधार पर बनाई जाती है. कॉलेज के पीआरओ ने बताया कि यह रिपोर्ट कॉलेज के प्रिंसिपल और डीन दोनों के पास ही होती है. पेरेंट्स-टीचर्स मीटिंग के दौरान इसे पेरेंट्स के सामने पेश किया जाता है. इसके अलावा पेरेंट्स जब भी चाहें तो वह अपने बच्चे की परफॉर्मेंस रिपोर्ट डीन के पास जाकर देख सकते हैं.

i next, Gorakhpur, 22 February 2013

MPPG फिर पेश करेगा मिसाल

- MPPG college जंगल धूसड़ का 6वां दीक्षांत आज
- Gown नहीं traditional dress में students लेंगे medals

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (21 Feb): स्टूडेंट्स यूनियन में मिसाल पेश करते हुए सैकड़ों कॉलेज के बीच अलग पहचान बना चुका महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज एक बार फिर मिसाल पेश कर रहा है. यूनिवर्सिटी में हाल ही में हुए कनवोकेशन के बावजूद कॉलेज अपना कनवोकेशन ऑर्गेनाइज कर रहा है. फ्राइडे का दिन महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के 6वें कनवोकेशन का गवाह बनेगा. इस दौरान कॉलेज में हाइयस्ट मार्क्स पाने वाले स्टूडेंट्स को सम्मानित किया जाएगा. इसके साथ ही कॉलेज के स्पोर्ट्स इवेंट्स में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाली टीम के प्लेयर्स को भी सम्मानित किया जाएगा.

15 स्टूडेंट्स को मिलेंगे मेडल

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रदीव राव ने बताया कि इस कनवोकेशन के दौरान एग्जामिनेशन में हाइयस्ट मार्क्स पाने वाले 15 स्टूडेंट्स को सम्मानित किया जाएगा. इन सभी स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी प्री एग्जामिनेशन में हाइयस्ट मार्क्स हासिल किए हैं. मार्क्स हासिल करने वालों में सबसे ज्यादा तादाद ब्वाएज की है, जबकि गर्ल्स की तादाद ब्वाएज के मुकाबले काफी कम है. इसमें 11 ब्वॉएज और 4 गर्ल्स शामिल हैं.

FILE PHOTO

टीचर्स के बराबर मिलेगी वैल्यू

डॉ. राव ने बताया कि मेडल पाने वाले तमाम स्टूडेंट्स सिर्फ सम्मानित ही नहीं किए जाएंगे बल्कि उनको कॉलेज की एडमिशन कमेटी में भी जगह मिलेगी. वह टीचर्स के बराबर की वैल्यू पाएंगे. उनके साथ कमेटी में बतौर मेंबर भी अपना सुझाव दे सकेंगे और उन्हीं की तरह वर्क भी करेंगे.

बिखरेगी केसरिया छटा

कॉलेज के कनवोकेशन में चारों ओर केसरिया छटा बिखरी नजर आएगी. केसरिया कुर्ता, सफेद धोती पहने मेल और केसरिया साड़ी पहने फीमेल स्टूडेंट्स एक बार फिर कॉलेज में जमा होंगे. यह ड्रेस कोड किसी फेस्टिवल या किसी और चीज के लिए नहीं बल्कि फ्राइडे को होने वाले कनवोकेशन के लिए तय किया गया है. डॉ. राव ने बताया कि अन्य जगह के कनवोकेशन की तरह यहां पर वेस्टर्न कल्चर पर बेस्ड गाउन का यूज नहीं किया जाता बल्कि यहां पर ट्रेडिशनल वियर को प्रिफरेंस दी जाती है. इस ऑकेजन पर सभी स्टूडेंट्स इसी ड्रेसकोड में नजर आएंगे.

डॉ. कृष्ण गोपाल होंगे चीफ गेस्ट

22 फरवरी को ऑर्गेनाइज होने वाले इस कॉम्प्टीशन के चीफ गेस्ट आरएसएस के सहसर कार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल होंगे. अध्यक्षता सदर सांसद योगी आदित्यनाथ करेंगे. बतौर विशिष्ट अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी जौनपुर के पूर्व वीसी प्रो. यूपी सिंह मौजूद रहेंगे.

प्रारम्भ किये गये हमारे नवाचार अब स्थापित परम्परा बन चुके हैं।

महाविद्यालय की विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्नपत्रों से लगभग 70 से 80 प्रतिशत प्रश्न विश्वविद्यालय परीक्षा से मेल खाने पर अखबार की अपनी टिप्पणी प्रथम पृष्ठ पर

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

मुशर्रफ की मुश्किल

पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि परवेज मुशर्रफ देश छोड़कर न जाने पाएं।

अप्रैल 2013, गोरखपुर, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 18, अंक 84, 16 पेज, आमंत्रण मूल्य ₹ 3.00, चैत्र कृष्ण चतुर्दशी,

पाठ्यक्रम, महत्वपूर्ण प्रश्नों की तैयारी के लिए एमपीपीजी कराने लगा पूर्व परीक्षा

प्री टेस्ट के फण्डे में फंस गए सवाल

गोरखपुर | अजय कुमार सिंह

बीए का पहला साल। प्राचीन इतिहास का पहला पर्चा। 20 नम्बर के पहले सवाल में अजातशत्रु, प्रयाग प्रशस्ति, सुदर्शन तडाग, बिन्दुसार और मिनेन्डर पर 200-200 शब्दों में टिप्पणी करनी है। चार अप्रैल को हुई विश्वविद्यालय परीक्षा में ये सवाल पूछे गए। ये वे सवाल हैं जिन्हें महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने मई में हुई पूर्व विश्वविद्यालय परीक्षा (प्री टेस्ट) में अपने विद्यार्थियों से पूछकर उनकी तैयारी करा दी थी। विश्वविद्यालय के इस पर्चे में सिर्फ बिन्दुसार ही हैं जिन पर टिप्पणी का प्रश्न नहीं पूछा गया। 40-40 नम्बरों के लिए खण्ड 'अ' के चार में से दो और खण्ड 'ब' के आठ उपखण्डों में से पांच पूर्व परीक्षा में पूछे गए थे।

...ना...ना...बिल्कुल नहीं। इसे कोई पर्चा आउट न समझिएगा। आप इसे परीक्षाओं में सम्भावना का फण्डा कह सकते हैं जिसे अपनाकर पिछले दो साल से एमपीपीजी महाविद्यालय अपने छात्रों को विवि परीक्षा के लिए तैयार कर रहा है। यह फण्डा परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों की सम्भावनाओं पर आधारित है। **ये है सवालों के मिलने का फार्मूला : पेज 6**

अन्य विषयों की परीक्षा में भी मिले प्रश्न

प्राचीन इतिहास के अलावा पूर्व परीक्षा के अन्य पर्चों के सवाल भी विश्वविद्यालय की परीक्षा में मिल रहे हैं। महाविद्यालय प्रशासन के मुताबिक बीए द्वितीय राजनीतिशास्त्र द्वितीय प्रश्नपत्र के पर्चे में 78 नम्बर के, बीए तृतीय वर्ष के समाजशास्त्र के तृतीय प्रश्नपत्र के पर्चे में 78 नम्बर के, बीए प्रथमवर्ष प्राचीन इतिहास के प्रथम प्रश्नपत्र के पर्चे में 86 नम्बर, बीए द्वितीय वर्ष प्राचीन इतिहास के प्रथम प्रश्नपत्र के पर्चे में 72 नम्बर और बीए प्रथम वर्ष प्राचीन इतिहास के दूसरे पर्चे में 88 नम्बर के प्रश्न विश्वविद्यालय परीक्षा में पूछे गए।

परीक्षार्थी से किसी जादूगरी की नहीं बस इतनी उम्मीद की जाती है कि वह कक्षा मे पढाई गई बातों को परीक्षा में ठीक-ठीक अभिव्यक्त करे। प्रो. एमसी. गुप्त, वाणिज्य संकायाध्यक्ष

बदले हुए पैटर्न में जिसने पूरा पाठ्यक्रम न पढ़ा हो वह परीक्षा में सभी प्रश्नों के जवाब नहीं दे पाएगा। नियमित पढ़ाई परीक्षा के डर को खत्म कर देती है। परीक्षा में ऐसा कुछ नहीं पूछा जाता जो पढ़ाया न गया हो। प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कार्यवाहक कुलपति एवं पूर्व विज्ञान संकायाध्यक्ष, गोविवि

कुछ अलग

ये है सवालों के मिलने का फार्मूला

गोरखपुर | वरिष्ठ संवाददाता

पूर्व परीक्षा में पूछे गए सवाल मुख्य परीक्षा के पर्चे से कैसे मेल खा जाते हैं? विश्वविद्यालय के छात्रावासों में मजाक में अक्सर एक फार्मूला सुनाया जाता है- 2010 की परीक्षा + 2011 की परीक्षा - 2012 की परीक्षा = 2013 की परीक्षा यह तो रही मजाक की बात।

प्रश्नपत्रों के पैटर्न के बारे में विशेषज्ञों की राय साफ है। नाम न जाहिर करने की शर्त पर विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर कहते हैं 'एक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम में जितने अध्याय और टॉपिक हैं उनसे आम तौर पर कुल 50-60 सवाल बनते हैं।

अब एक वर्ष के प्रश्नपत्र में छोटे- बड़े विकल्प मिलाकर करीब 17 से 20 सवाल पूछे जाते हैं। जाहिर है अगले वर्ष का प्रश्नपत्र तैयार करते समय पेपर सेटर के मन में पिछले वर्ष के प्रश्नों को न दोहराते हुए पूरे पाठ्यक्रम को कवर करने की भावना होती है। इसी पैटर्न को समझकर सम्भावित प्रश्न जाने जा सकते हैं। पूर्व परीक्षा ही क्यों ऐन परीक्षा के वक्त आने वाली गाइड और गेस पेपर भी सम्भावना के इसी पैटर्न पर तैयार होते हैं।'

पूर्व विश्वविद्यालय परीक्षा सभी महाविद्यालयों में अनिवार्य करनी चाहिए। महाविद्यालय अपने स्तर पर प्रश्नपत्र बनाकर परीक्षा कराएं, जिससे छात्र विवि परीक्षा के पूरे पाठ्यक्रम के साथ-साथ महत्वपूर्ण चयनित प्रश्नों को भी तैयार कर सकें। डॉ. प्रदीप राव, प्राचार्य, एमपीपीजी

शुक्रवार, 22 फरवरी 2013, गोरखपुर, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

छात्रों को साफ-सुथरी प्रवेश प्रक्रिया की जिम्मेदारी भी सौंपी

गोरखपुर। अजय कुमार सिंह

परीक्षा में टॉप करने की खुशी। भव्य समारोह, तालियों की गड़गड़ाहट और विशिष्टजनों से मेडल पाने का गौरव। दीक्षान्त समारोहों में ऐसे दृश्य तो आपने कई बार देखे होंगे लेकिन 22 फरवरी को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में होने जा रहे समावर्तन समारोह की यह खासियत बिल्कुल अलग है। इस समरोह में 15 टापर ऐसे होंगे जिन्हें मेडल के साथ ही महाविद्यालय की प्रवेश समिति की सदस्यता का प्रमाण पत्र भी मिलेगा। ये टापर अगले साल इन्टरव्यू पैनल में होंगे और तय करेंगे कि महाविद्यालय में किसे प्रवेश दिया जाए और किसे नहीं।

अभिनव प्रयोग

- महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ का अनूठा प्रयोग
- दीक्षान्त में मेडल के साथ आज प्रवेश समिति के सदस्य बनने का प्रमाण पत्र भी पाएंगे 15 टॉपर

इसी महाविद्यालय ने अपने पहले दीक्षान्त समारोह (2008) में गाउन-टोपी की बजाए धोती-कुर्ता में मेडल लेते टापरों का दृश्य दिखा कर सबको चौंका दिया था। छात्रों को महाविद्यालय प्रशासन में बराबरी का दर्जा देने की अब यह नई मिसाल पेश करने का फैसला किया है।

इससे छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, व्यक्तित्व निखरेगा और महाविद्यालय को प्रशासन में उनकी सहभागिता मिलेगी।

डॉ.प्रदीप राव, प्राचार्य, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़

महाविद्यालय के छात्र कमलेश के शब्दों में, 'महाविद्यालय के नियंता मण्डल में भी छात्र हैं। छात्रसंघ को शक की नज़र से देखने वालों को यहां आकर देखना चाहिए कि कैसे छात्रसंघ पठन-पाठन और व्यवस्था के संचालन में सहयोगी बन सकता है।'

इन टॉपरों को मिलेगी प्रवेश समिति में जगह

बीएससी प्रथम वर्ष- धीरज कुमार, मणिभूषण, संदीप कुमार मौर्य
बीकॉम प्रथम वर्ष- उमा सिंह, भीम मौर्य
बीए प्रथम वर्ष- ममता चौहान, प्रीति शर्मा और कमलेश
बीएससी द्वितीय वर्ष- दुर्गेश सिंह
बीकॉम द्वितीय वर्ष- प्रमोद कुमार
बीए द्वितीय वर्ष-ज्योति
बीकॉम तृतीय वर्ष- जयहिन्द, हरिद्वार प्रजापति
बीए तृतीय वर्ष- अमित कुमार पाण्डेय, प्रतिमा पाण्डेय

महाविद्यालय की प्रवेश समिति में प्राचार्य सहित 15 वरिष्ठ शिक्षक होते हैं। समिति में इतने ही (15) छात्र भी होंगे। समिति की सदस्यता पाने वाले ये टॉपर 4 से 20 फरवरी तक चली महाविद्यालय की पूर्व विश्वविद्यालयी परीक्षा के हैं। प्राचार्य डॉ.प्रदीप राव के मुताबिक टॉपर तय करने की महाविद्यालय की प्रक्रिया सख्त और पारदर्शी है। यहां टापर का मतलब सबसे अधिक अंक पाना ही नहीं बल्कि छात्र को न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक पाना जरूरी है।

एक और मिसाल

महाविद्यालय ने परीक्षा खत्म होने के अगले ही दिन परिणाम घोषित करने की मिसाल पेश की है। 1600 छात्रों के लिए 4 से 20 फरवरी तक आयोजित की गई पूर्व विवि परीक्षा का परिणाम 21 फरवरी को घोषित किया गया। डॉ.राव ने बताया कि यह इसलिए सम्भव हो सका क्योंकि हर परीक्षा के बाद दो दिन के अन्दर उसकी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर लिया गया।

i next, Gorakhpur, 9 August 2013

यहां टीचर्स देते हैं 'अग्निपरीक्षा'

- सिटी के एमपीपीजी कॉलेज जंगलधूसड़ में होता है टीचर्स का टेस्ट
- स्टूडेंट्स साल में दो बार देते हैं टीचर्स की क्वालिटी का फीडबैक
- क्वालिटी एजूकेशन के लिए एमपीपीजी की पहल

syedsaim.rauf@inext.co.in

GORAKHPUR (8 Aug): किसी स्टूडेंट का आई क्यू टेस्ट करना हो या फिर किसी की काबिलियत परखना हो तो इसके लिए टीचर्स आम तौर पर एग्जाम लेकर इसकी जांच करते हैं. टीचर्स की बात करें तो एक्सपर्ट पैनल उनकी काबिलियत परखती है. स्टूडेंट्स का टेस्ट तो हर साल होता है, लेकिन टीचर्स का टेस्ट सिर्फ ज्वाइनिंग के दौरान ही होता है, इसके बाद न तो उन्हें किसी तरह के टेस्ट की जरूरत पड़ती हैं और न ही कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन भी इसकी जहमत उठाता है. इन सबसे अलग हटकर सिटी के महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में हालात कुछ अलग हैं. यहां स्टूडेंट्स के साथ ही टीचर्स को भी अग्निपरीक्षा के होकर गुजरना पड़ता है.

स्टूडेंट्स करते हैं फैसला

टीचर्स की वे ऑफ टीचिंग क्या है, इनका पढ़ाया समझ में आता है या नहीं, इसको भला स्टूडेंट्स से अच्छा कौन बता सकता है. यही वजह है कि एमपीपीजी कॉलेज में टीचर्स की क्वालिटी का फैसला स्टूडेंट्स करते हैं. हालांकि इससे टीचर्स को कोई नुकसान नहीं पहुंचता, लेकिन उन्हें अपनी क्वालिटी और ड्रा बैक जरूर पता चल जाता है, जिससे कि वह फ्यूचर में अपनी कमजोरियों को दूर कर सकें.

स्टूडेंट्स द्वारा दिए गए फीडबैक को प्रिंसिपल और टीचर दोनों ही ने देखा होता है, इसलिए उस टीचर का ड्राबैक प्रिंसिपल को मालूम होता है.

स्टूडेंट्स भरते हैं फीड बैक फॉर्म

अपने टीचर को कुछ दिनों तक परखने के बाद स्टूडेंट्स उनका क्वालिटी और ड्रा बैक का फैसला करते है यह कहीं और से नहीं बल्कि खुद कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से कराया जाता है. कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रदीप राव की मानें तो एक फीड बैक फॉर्म दिया जाता है जिसमें टीचर्स की क्वालिटी से रिलेटेड 10 सवाल होते है. सभी स्टूडेंट्स को यह फॉर्म सब्मिट करने होते हैं

...ताकि क्वालिटी रहे बेहतर

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राव ने बताया कि इस फीडबैक फॉर्म को भरवाने के पीछे सबसे बड़ा मकसद यह है कि इससे टीचिंग क्वालिटी बेहतर हो सके. स्टूडेंट्स द्वारा दिए गए फीडबैक को प्रिंसिपल और टीचर दोनों ही ने दे[...] इसलिए उस टीचर का ड्राबैक प्रि[...] मालूम होता है. इसकी वजह से टीच[...] कमजोरी को दूर करने की कोशिश [...]

दो बार भरा जाता है फॉर्म

कालेज में फॉर्म के थ्रू फीडबैक लि[...] यह व्यवस्था साल में दो बार की[...] पहली बार जब स्टूडेंट्स कॉलेज मे[...] लेकर आते है तो क्लासेज स्टार्ट [...] मंथ बाद ही पहली बार फॉर्म भ[...] यह फॉर्म सितंबर में भरवाया जा[...] दूसरी बार यह फॉर्म जनवरी में भ[...] हैं, जब स्टूडेंट्स कुछ और वक्त बिता लेता है. इस दौरान यह भी पता [...] है कि उस टीचर की टीचिंग क्वालि[...] आया है या नहीं.

हम क्यों नही

सिटी का एक ऐसा कॉलेज जो क्वालिटी एजूकेशन के लिए तमाम हथकंडे अपना रहा है तो क्या सिटी के अदर कॉलेजेज को भी उस कॉलेज से सीख नही लेनी चाहिए? क्या अदर कॉलेज के एडमिनिस्ट्रेशन को यह बात नही सोचनी चाहिए कि उनके कॉलेज मे जो टीचर्स अप्वाइंट हैं वह स्टूडेंट्स को क्वालिटी एजूकेशन दे रहे हैं या नही? क्या उन्हे भी फीडबैक सिस्टम की शुरुआत नही करनी चाहिए? अगर सभी कॉलेज ऐसा करना शुरू कर दे तो एजूकेशन क्वालिटी मे सुधार आने से कोई भी नही रोक सकेगा.

i next, Gorakhpur, 22 August 2013

पढ़ोगे तब बनोगे 'प्रेसिडेंट'

- MPPG college में इलेक्शन की तैयारियों में जुटे स्टूडेंट्स
- पढ़ाई में दमदार परफॉर्मेंस के बाद ही मिलेगी प्रेसिडेंट की गद्दी

FILE PHOTO

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (21 Aug): 'पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब...' यह कहावत जमाने से लोगों के बीच फेमस है, लेकिन सिटी के महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के मामले में इसकी कहानी कुछ दूसरी है. स्टूडेंट्स लीडर बनने की चाह मन में संजोए स्टूडेंट्स को यहां भी इस कहावत पर अम्ल तो करना होता है, लेकिन इसके बाद वह 'नवाब' तो नहीं बनते अलबत्ता उन्हें कॉलेज के प्रेसिडेंट बनने का मौका जरूर मिल जाता है.

एग्जाम पास करने के बाद ही वह नॉमिनेशन कर सकता है और वह दूसरे दौर में पहुंचता है

बैनर, पोस्टर नहीं पढ़ाई में जुटे स्टूडेंट्स

एसयू इलेक्शन लड़ने की चाह मन में लिए स्टूडेंट्स ने स्टूडेंट्स लीडर बनने की तैयारी अभी से शुरू कर दी है. उन्हें यह बात पता है कि अगर उन्हें एसयू लीडर बनना है तो इसके लिए न सिर्फ उन्हें पढ़ाई में तेज होना पड़ेगा, बल्कि इलेक्शन से ठीक पहले होने वाले कक्षा प्रतिनिधि के टेस्ट को भी क्वालिफाई करना होगा. इसके लिए स्टूडेंट्स बैनर, पोस्टर से दूर होने वाले एग्जाम की तैयारियों में जुट गए हैं. एग्जाम को पास करने के बाद ही वह अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्री के लिए नॉमिनेशन कर सकता है और वह दूसरे दौर में पहुंचता है. इसमें कैंडिडेट्स को क्वालिफाइंग स्पीच एग्जाम से गुजरना पड़ता है. स्पीच देने के लिए उसे 10 मिनट का वक्त दिया जाता है, स्पीच क्वालिफाई करने के बाद ही वह इलेक्शन में कैंडिडेट्स हो सकता है.

हर क्लास से एक प्रतिनिधि

कॉलेज में सब्जेक्ट्स और सेक्शन के अकार्डिंग प्रतिनिधियों का सेलेक्शन किया जाता है. इसमें ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल पर जितने क्लासेज और सेक्शन होंगे उतने ही प्रतिनिधि चुने जाएंगे. मौजूदा वक्त की बात करें तो कॉलेज में क्लासेज और सेक्शन की तादाद कुल मिलाकर 64 हैं, इसलिए इससे इतने ही प्रतिनिधि चुने जाएंगे. इन सभी सफल कैंडिडेट्स में जिन कैंडिडेट्स को इंटरेस्ट होगा, वह आगे की प्रक्रिया के लिए नॉमिनेशन कर सकता है.

तीसरी बार मिलेगा मौका

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. प्रदीप राव ने बताया कि यह तीसरा मौका होगा जब कॉलेज के स्टूडेंट्स अपने रिप्रेजेंटेटिव का चुनाव करेंगे. इससे पहले कॉलेज में अलग रूल्स थे. 2006 से ही कॉलेज में स्टूडेंट्स यूनियन इलेक्शन कॉलेज के अकॉर्डिंग हो रहे हैं. इसमें सबसे पहले कॉम्पिटीशन के माध्यम से इलेक्शन होते थे. कॉलेज में जिसका सबसे ज्यादा मार्क्स आता था वह ही छात्रसंघ का अध्यक्ष चुना जाता था. लेकिन बाद में हुई आम सभा की बैठक में इसे थोड़ा मॉडिफाई किया गया और हर क्लासेज से रिप्रेजेंटेटिव चुने जाने लगे चुनाव में वोट डालने के एलिजिबिल थे. 2010 में हुई आम सभा की बैठक में इसे थोड़ा और मॉडिफाई करते हुए स्टूडेंट्स को भी वोट डालने का मौका दे दिया गया.

फॉलो की जाती है आचार संहिता

सांसद और विधायक के नॉमिनेशन के लिए होने वाले बड़े इलेक्शन की तरह कॉलेज में भी आचार संहिता फॉलो की जाती है. आचार संहिता इलेक्शन के डिक्लेरेशन के साथ ही स्टार्ट हो जाती है. अगर कोई कैंडिडेट इसको तोड़ता हुआ पाया जाता है तो उसे इलेक्शन से डिसक्वालिफाई कर दिया जाता है. इसमें कैंडिडेट्स को पोस्टर, बैनर, वॉल राइटिंग के साथ ही ऐसे सभी तरीको पर बैन होता है जिसमें पैसे खर्च होते हैं. इसके साथ ही ग्रुप में चलने, बाहरी लोगों को कैंपस में बुलाने पर इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए उन्हें डिसक्वालिफाई कर दिया जाता है. प्रचार का एक मात्र तरीका क्वालिफाइंग स्पीच है.

लेट होंगे इलेक्शन

डीडीयू गोरखपुर यूनिवर्सिटी के रिजल्ट का असर इस बार एमपीपीजी के एसयू इलेक्शन पर भी पड़ेगा. हर साल अगस्त के लास्ट वीक में होने वाले इलेक्शन इस बार डीले होना तय हो गया है. एमपीपीजी कॉलेज के पीआरओ डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी ने बताया कि अभी तक यूनिवर्सिटी के पूरे रिजल्ट डिक्लेयर नहीं हो सके हैं, इसकी वजह से कई क्लासेज में एडमिशन नही हो सके हैं. ऐसे में कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव करवा पाना पॉसिबल नहीं है.

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • गुरुवार • 21 नवम्बर 2013

छात्रसंघ की पहली बैठक में वार्षिक बजट पारित

गोरखपुर। निज संवाददाता

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में बुधवार को नवनिर्वाचित छात्रसंघ कार्यकारिणी की पहली बैठक हुई। बैठक में बहुमत से वार्षिक बजट पारित किया गया। शुल्क से एक लाख 80 हजार 600 रुपए के वार्षिक बजट में 50 हजार रुपए सहयोग राशि इकट्ठा करने का लक्ष्य बनाया गया। साथ ही वर्ष भर होने वाली गतिविधियों की चर्चा के बाद वार्षिक योजना को बहुमत से स्वीकार किया गया।

गहमागहमी के बीच शुरू हुई बैठक में छात्रसंघ अध्यक्ष सुजीत सिंह ने कहा कि हमारी कार्यप्रणाली ऐसी हो जो समाज में छात्रसंघ के प्रति व्याप्त अवधारणा को बदल डाले। उपाध्यक्ष रीना चौधरी ने कहा कि महाविद्यालय के पठन पाठन में सहयोगी भूमिका के साथ नियंता मण्डल, पुस्तकालय समिति, प्रयोगशाला समिति, क्रीड़ा समिति, क्रय समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति में भी छात्रसंघ की सक्रिय भूमिका रहती है। इसके बाद महामंत्री सृष्टि सिंह ने वार्षिक बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों को शिक्षकों

बैठक

- महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में बुधवार को नवनिर्वाचित छात्रसंघ कार्यकारिणी की पहली बैठक
- कार्यप्रणाली ऐसी हो जो समाज में छात्रसंघ के प्रति व्याप्त अवधारणा को बदल डालें : अध्यक्ष

द्वारा अपने व्याख्यान के सारांश की छायाप्रति दिए जाने पर आने वाले कुल व्यय का 25 प्रतिशत खर्च लगभग 75 हजार रुपए छात्रसंघ देगा। क्रीड़ा पर छात्रसंघ द्वारा 20 हजार, सांस्कृतिक कार्यक्रम 35 हजार, सामाजिक कार्य पर 25 हजार, दो कक्षाओं में प्रोजेक्टर लगाने के लिए 70 हजार तथा छात्रसंघ चुनाव पर 10 हजार रुपए व्यय किए जाएंगे। इस दौरान बैजु साहू, अनिल सिंह, अशोक मद्धेशिया, शशि चौहान, ऋचा शुक्ला, सीमा राजभर, अभय श्रीवास्तव, श्यामसुन्दर प्रजापति, दुर्गेश सिंह, गीता सिंह, जान्हवी सिंह, रीतू गुप्ता, अनामिका मिश्रा, कुवैत अली, श्वेता सिंह, मिनाक्षी शर्मा के अलावा प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव भी मौजूद रहे।

हमारे आचरण एवं व्यवहार पर समाज की मुहर

जनसंदेश टाइम्स

29 अगस्त 2013

गोरखपुर, गुरुवार, 29 अगस्त, 2013

शिक्षा ही नही राजनीति का भी गुरुकुल

शिक्षा संवाददाता, गोरखपुर। ऐसा गुरुकुल जहां शिक्षा के साथ ही राजनीति को भी खासा महत्व दिया जाता है। कड़ी परीक्षा के दौर से गुजरने के बाद सिर्फ मेधावियों को छात्रसंघ में भागीदारी का अवसर मिलता है। वोट बैंक अपने पक्ष में करने के लिए प्रत्याशियों को अपनी योग्यता भी साबित करनी होती है। इसके बाद ही वह छात्रसंघ चुनाव लड़ने के लिए अधिकृत होते हैं।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ ने विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों के लिए नजीर पेश की है। वर्ष 2005 में स्थापना के बाद से ही यहां छात्रसंघ चुनाव भी हो रहे हैं। स्थापना के समय कालेज महज 1000 छात्र संख्या के साथ प्रारम्भ हुआ था। वर्तमान में यह संख्या 2000 के करीब पहुंच चुकी है, लेकिन इस गुरुकुल में पढ़ाई के साथ छात्र-छात्राओं को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया जाता है। चुनाव की घोषणा के बाद 54 कक्षाओं में विभिन्न विषयों के लिए कक्षा प्रतिनिधि चुने जाते हैं। इसके लिए चुनाव के दो दिन पूर्व सभी छात्र-छात्राओं को लिखित परीक्षा देनी होती है। 50 मिनट के प्रश्नपत्र में 20 अंक के 10 प्रश्न पूछे जाते हैं। इस परीक्षा में प्राप्त अंकों व कालेज में उपस्थिति के औसत के अनुसार प्रत्येक कक्षा में एक-एक प्रतिनिधि चुने जाते हैं। उसी दिन अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे तक विभिन्न पदों पर नामांकन दाखिल होता है। चुनाव के एक दिन पूर्व सुबह 9 बजे से 10.30 बजे तक पर्चा वापसी होती है। सुबह 10.30 बजे से 11.30 बजे तक पर्चा की जांच की जाती है। इसके बाद एक बजे क्वालीफाइंग स्पीच के बाद अगले दिन चुनाव की प्रक्रिया को सम्पन्न कराने के बाद चुनाव का परिणाम घोषित कर दिया जाता है। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले पदाधिकारियों के लिए एक वर्ष तक कक्षा प्रतिनिधि रहना भी अनिवार्य है। चुनाव प्रचार हेतु कोई भी प्रत्याशी पोस्टर, बैनर, पर्चा, दीवार लेखन आदि किसी भी प्रकार का व्यय साध्य तरीका नहीं अपना सकता है।

एमपीपीजी कालेज में सिर्फ मेधावियों की होती है छात्रसंघ में भागीदारी

कक्षाओं में उद्बोधन, परिसर में एकाधिक के साथ समूह बनाकर चलना, किसी बाहरी व्यक्ति को परिसर में बुलाना भी पूर्णतः प्रतिबंधित है। चुनाव प्रचार के लिए योग्यता भाषण का आयोजन ही एकमात्र माध्यम है। महाविद्यालय में होने वाले छात्रसंघ चुनाव में छात्राओं की भागीदारी भी कम नहीं है। वह पूरे जोश-खरोश के साथ चुनाव लड़ती हैं और अपनी योग्यता को भी साबित करती हैं। सत्र 2007-08 में बीएससी तृतीय वर्ष की कुमारी बबिता सिंह अध्यक्ष पद पर जीत हासिल कर अपनी योग्यता साबित कर चुकी हैं तो वहीं सत्र 2008-09 में स्वाती गुप्ता को महामंत्री चुना गया था। हालांकि इस बार 31 अगस्त को घोषित चुनाव की तिथि को टालना पड़ा है। इस संबंध में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप राव का कहना है कि ऐसा पहली बार हुआ है कि विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक परीक्षा परिणाम समय पर घोषित नहीं करने के कारण यह निर्णय लेना पड़ रहा है। यदि विश्वविद्यालय द्वारा समय पर परिणाम घोषित कर दिए जाते तो चुनाव की तिथि को टालना नहीं पड़ता।

जनसंदेश टाइम्स

यह है हमारा मूल्यांकन

गोरखपुर, मंगलवार, 3 सितम्बर, 2013

यहां जलती है उम्मीद की लौ

एमजीपीजी कालेज में सप्ताह के अंतिम दिन छात्र लेते हैं कक्षाएं

नीरज श्रीवास्तव

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में जहां कक्षाएं मानक के अनुसार नहीं चलतीं वहीं सम्बद्ध महाविद्यालय अद्वितीय उदाहरण की नजीर पेश कर रहा है। यहां सप्ताह के एक दिन छात्र भी कक्षाओं में पढ़ाते हैं। यही नहीं कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम का सारांश भी प्रत्येक कक्षाओं में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाता है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय कक्षाओं के संचलन से लेकर अनुशासन का ऐसा खाका तैयार किया है कि महज आठ से नौ वर्ष में ही ग्रामीण इलाके में स्थापित होने के बाद भी शहर के अधिकतर अभिभावक वहां उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए वहीं अपने बच्चे का दाखिला करना चाहते हैं। यही वजह है कि वहां छात्र-छात्राओं की संख्या कुछ ही वर्षों में 2,000 तक पहुंच गई है। यहां एक अगस्त से कक्षाएं प्रारम्भ हो गई हैं।

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मूल्यांकन के दौर से गुजरना होता है

महाविद्यालय में शिक्षक एवं विद्यार्थियों के लिए प्रतिबंधित है मोबाइल

सोमवार को प्रत्येक विषय एवं कक्षाओं में 10 छात्र-छात्राओं का चयन किया जाता है। यह छात्र-छात्राएं शनिवार को कक्षाओं में दिए गए टॉपिक को पढ़ाते हैं। इनका टॉपिक सोमवार को ही एलाट कर दिया जाता है। प्रत्येक विद्यार्थी को पांच मिनट का समय दिया जाता है। इसी प्रकार पूरी कक्षा के दौरान 10 छात्र-छात्राएं अपने टॉपिक पर कक्षाओं को संचालित करते हैं। शनिवार को सभी विषयों में यही प्रक्रिया क्रमानुसार चलती है। इस प्रक्रिया से महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को गुजरना होता है। इससे उनके भीतर विषय को लेकर रुचि भी जगती है और कक्षाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी अपने ही बीच के सहपाठी द्वारा पढ़ाने से प्रेरणा मिलती है।

महाविद्यालय में मोबाइल भी पूरी तरह प्रतिबंधित है। महाविद्यालयों में कक्षाओं के संचालन के दौरान कोई भी शिक्षक या छात्र-छात्राओं द्वारा मोबाइल का प्रयोग नहीं किया जा सकता है। यही नहीं कक्षाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों को भी हर रोज कड़ी परीक्षा के दौर से गुजरना होता है। वह अगले दिन पढ़ाए जाने वाले अध्याय का एक दिन पूर्व सारांश तैयार करते हैं एवं महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक बच्चों को हर विषय की कक्षाओं में निःशुल्क सारांश की फोटो कापी वितरित की जाती है। महाविद्यालय में पहली बार यह दोनों व्यवस्था प्रयोग के तौर पर प्रारम्भ की गई है जिसमें शिक्षकों के साथ छात्र-छात्राओं ने भी काफी रुचि दिखाई है। महाविद्यालय द्वारा हर दिन लगभग 5,000 प्रति सारांश की फोटो कापी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाती है। प्रत्येक माह छात्र-छात्राओं के मूल्यांकन के लिए मासिक टेस्ट लिया जाता है। महाविद्यालयों द्वारा वर्ष में दो बार शिक्षकों का भी मूल्यांकन होता है। सितंबर व जनवरी माह में शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र को भरकर छात्र-छात्राओं द्वारा जमा करा लिया जाता है। इसमें शिक्षकों के बारे में उनसे 1 प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें विद्यार्थि की पहचान को पूरी तरह गुप्त रख जाता है। हालांकि यह प्रक्रिया सि शिक्षकों के मूल्यांकन का आधार इसके आधार पर कार्रवाई नहीं व जाती है। शिक्षकों की कोई भी क को प्राचार्य या वह शिक्षक ही प सकता है।

यदि विश्वविद्यालय व अ महाविद्यालय भी ऐसी ही नर्ज प्रस्तुत करें तो वह दिन दूर नहीं ज विश्व के दो सौ विश्वविद्यालयों अपने देश के विश्वविद्यालयों महाविद्यालयों का भी नाम होग महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदी राव कहते हैं कि गोरक्षपीठ सेवा अ शिक्षा के क्षेत्र में महंत दिग्विजयना के सपनों को लेकर प्रतिमान शिक्ष संस्थान खड़ा करने के लिए दृ प्रतिज्ञ है। उसी के फलस्वरू महाविद्यालय प्रतिमान संस्थान बन के लिए प्रयासरत है सारे प्रयास उ की कड़ी है।

स्टूडेंट्स देंगे टीचर्स को अनोखा तोहफा

- टीचर्स डे पर टीचर्स की जगह स्टूडेंट्स लेंगे क्लास
- स्टूडेंट्स यूनियन ने स्टूडेंट्स से टीचिंग के लिए मांगे थे प्रपोजल

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (4 Sept): टीचर्स डे, यही एक ऐसा मौका होता है जब टीचर्स का जलवा कई गुना बढ़ जाता है. इस दौरान टीचर्स के पास गिफ्ट्स की भरमार होती है. इन गिफ्ट की लिस्ट में एक से एक एक्सपेंसिव गिफ्ट्स शामिल होते हैं. टीचर्स डे पर सिटी के महाराणा प्रताप जंगल धूसड़ के स्टूडेंट्स ने टीचर्स को एक अनोखा और अनफॉरगेटेबल गिफ्ट देने की तैयारी की है. इसके तहत क्लासेज का बर्डेन टीचर्स को नहीं झेलना पड़ेगा. ऐसा नहीं कि कॉलेज में पढ़ाई नहीं होगी, बल्कि टीचर्स के बजाए कॉलेज के स्टूडेंट्स ही क्लास में टीचिंग करेंगे.

25 से ज्यादा स्टूडेंट्स करेंगे टीचिंग

टीचर्स डे पर यूं तो कॉलेज के सभी स्टूडेंट्स अपने टीचर्स को अनोखा और स्पेशल गिफ्ट देने को तैयार थे. मगर क्लासेज को देखते हुए 25 से ज्यादा स्टूडेंट्स को इस स्पेशल एक्टिविटी में शामिल होने का मौका मिला है. इस दौरान 25 से ज्यादा स्टूडेंट्स डिफरेंट क्लासेज में अपने जूनियर्स को पढ़ाएंगे. इस तरह वह अपने टीचर्स को स्पेशल गिफ्ट्स तो देंगे ही साथ ही क्लासेज लेकर उनकी हेल्प भी करेंगे. इसके लिए स्टूडेंट्स ने अपनी एंट्रीज कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. प्रदीप राव को सब्मिट कर दी है.

> "टीचर्स डे पर कॉलेज की क्लासेज टीचर्स की जगह स्टूडेंट्स लेंगे. इसके लिए लिस्ट फाइनल की जा चुकी है. इस तरह स्टूडेंट्स टीचर्स को सम्मान देंगे.
>
> प्रकाश प्रियदर्शी, पीआरओ, एमपीपीजी कॉलेज

CONCEPT PIC

टीचर्स के बजाए कॉलेज के स्टूडेंट्स ही क्लास में टीचिंग करेंगे.

स्टूडेंट्स से मांगे गए थे प्रपोजल

टीचर्स डे पर यह अनोखा गिफ्ट देने के लिए स्टूडेंट्स से प्रपोजल मांगे गए थे. इसके लिए कॉलेज के एसयू अध्यक्ष जयहिंद यादव की अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें कॉलेज के सभी स्टूडेंट्स से टीचिंग के लिए इंटरेस्टेड स्टूडेंट्स से प्रपोजल मांगे गए. सैकड़ों की तादाद में स्टूडेंट्स ने अपनी एंट्रीज सब्मिट की. इसमें से एक्सपर्ट पैनल ने कुछ स्टूडेंट्स का सेलेक्शन किया है जो टीचर्स डे पर क्लास लेंगे. इसमें बीए थर्ड की ज्योति सिंह जो बीए फर्स्ट इयर को पढ़ाएंगी, बीकॉम थर्ड के राहुल शर्मा जो बीकॉम फर्स्ट और सेकेंड इयर को पढ़ाएंगे, बीए थर्ड की वंदना चौहान जो बीए सेकेंड इयर को पढ़ाएंगी, बीए सेकेंड की प्रगति गुप्ता जो बीए फर्स्ट इयर को पढ़ाएंगी, इनके साथ काफी तादाद में स्टूडेंट्स का क्लास शेड्यूल फाइनल किया जा चुका है.लास्ट इयर भी टीचर्स डे के मौके पर 20 स्टूडेंट्स ने क्लासेज में टीचिंग की थी.

i CONNECT

इस खबर पर अपनी राय दें.
facebook.com/gorakhpurcalling
tweet @inextlive
mail us gorakhpur@inext.co.in

शिक्षक दिवस पर विशेष

महाविद्यालय द्वारा अपने सत्र से ही विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन योजना का प्रतिफल

हिन्दुस्तान समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ पर छपी यह खबर

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • शुक्रवार • 06 सितम्बर 2013

कुछ अलग

शिक्षक दिवस पर अपने शिष्यों से अनोखी गुरु दक्षिणा पाकर निहाल हो गए गुरुजी

अरे वाह ! ये तो हमें ही पढ़ाने लगे

महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में जब छात्र बन गए गुरुजी

शिक्षक अभिभूत

- टापर छात्रों ने क्लास ली, सामने बेंच पर बैठे गुरुओं ने परखी शिष्यों की क्षमता
- महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में शिक्षक दिवस पर अनूठा आयोजन

गोरखपुर | राजीव यादव

रोज की तरह गुरुवार को भी सुबह के ठीक 9.25 बजे प्रार्थना हुई। प्रार्थना के बाद छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी कक्षाओं का रुख किया। कक्षाओं में भी सब कुछ वैसा ही था लेकिन आज महाविद्यालय की हर कक्षा में कुछ खास हुआ। रोज ब्लैक बोर्ड के पास खड़े होकर पढ़ाने वाले गुरुजी आज विद्यार्थियों के पास बेंच पर बैठे। पढ़ाने की जिम्मेदारी विद्यार्थियों ने सम्भाली। जंगल धूसड़ के महाराणा प्रताप पीजी कालेज में गुरुवार को शिक्षक दिवस पर छात्र-छात्राओं ने कुछ इसी अंदाज में गुरुओं के प्रति सम्मान प्रकट किया।

अपने विद्यार्थी में अपना ही रूप और अंदाज देखकर गुरुजी खुश हुए तो पीठ ठोंककर शाबाशी तो दी ही माना कि उनकी मेहनत सफल हो गई। शिक्षक दिवस पर कुछ नया और खास करने की यह योजना महाविद्यालय के छात्रसंघ की थी। चार दिन पहले छात्रसंघ कार्यकारिणी की बैठक में शिक्षक दिवस मनाने का प्रस्ताव आया। मंथन हुआ कि परम्परागत समारोहों से अलग कुछ खास क्या किया जाए जो शिक्षकों को अच्छा लगे और छात्रों के लिए भी ज्यादा सार्थक साबित हो। तय हुआ कि शिक्षक दिवस को महाविद्यालय की हर कक्षा में विद्यार्थी ही पढ़ाएंगे। पढ़ाने वालों की बकायदा सूची बनी और समयसारिणी के हिसाब से कक्षाएं आवंटित की गईं।

पढ़ाने वालों में सबसे पहले नाम दर्ज कराया छात्रसंघ कार्यकारिणी के पदाधिकारियों (कार्यकारिणी के सभी सदस्य अपनी-अपनी कक्षाओं के टापर हैं) ने। फिर छात्रसंघ कार्यालय में समयसारिणी रख सामान्य छात्रों को चार सितम्बर को मध्याह्न 12 बजे तक नाम दर्ज कराने का समय दिया गया। छात्रों ने समय सारिणी में अपनी-अपनी रुचि के विषय और कक्षाओं के लिए अपने नाम लिख दिए। चार सितम्बर को ही शाम साढ़े तीन बजे शिक्षकों की बैठक में इस समयसारिणी पर महाविद्यालय प्रशासन की मुहर लगी और तय हो गया कि पांच सितम्बर की कक्षाएं छात्र-छात्राओं के हवाले रहेंगी। सुबह प्रार्थना सभा में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देने के बाद कक्षाएं शुरू हुईं और फिर आखिरी घण्टी तक गुरुजी विद्यार्थी और विद्यार्थी गुरुजी बने रहे।